वैदिक उपासना पीठद्वारा प्रकाशित

सोमवार, पौष कृष्ण पक्ष, पंचमी, कलियुग वर्ष ५१२२ (४ जनवरी, २०२१)

वैदिक उपासना

राष्ट्र एवं धर्मके पुनरूत्थान हेतु समर्पित ऑनलाईन दैनिक वृत्त पत्र

धर्माचरण हेतु कष्ट उठाना, राष्ट्र हेतु समय देना एवं साधना हेतु त्याग करना, यह सनातन उपासना है।

e-mail : upasanawsp@gmail.com, website : www.vedicupasanapeeth.org.

जयतु जयतु हिन्दुराष्ट्रं

५ जनवरी २०२१ का वैदिक पंचांग

कलियुग वर्ष – ५१२२ / विक्रम संवत – २०७७ / शकवर्ष - १९४२.....कलके पंचांगके सम्बन्धमें और जानकारी हेतु इस लिंकपरजाएं.....https://vedicupasanapeeth.org/hn/kal-ka-panchang-05012021

देव स्तुति

कदम्बसूनकुण्डलं सुचारुगण्डमण्डलं
व्रजांगनैकवल्लभं नमामि कृष्णदुर्लभम्।
यशोदया समोदया सगोपया सनन्दया
युतं सुखैकदायकं नमामि गोपनायकम्॥

अर्थ : जो कदम्ब पुष्पोंको कर्णकुण्डल रूपमें धारण करते हैं, जिनके गाल मोहक व सुन्दर हैं, जो व्रजगोपियोंके नायक हैं, जो दुर्लभ हैं, उन श्रीकृष्णको नमस्कार है। यशोदा माता, गोपजन और नन्दबाबाको परमानन्द देनेवाले गोपनायक, श्रीकृष्णको नमस्कार है।

शास्त्रवचन

सर्वमंगलमंगल्यमायुष्यं व्याधिनाशनम् ।
भुक्तिमुक्तिप्रदं दिव्यं वासुदेवस्य कीर्तनम् ॥

अर्थ : वासुदेवनामका दिव्य कीर्तन सम्पूर्ण मंगलोंमें भी परम मंगलकारी, आयुकी वृद्धि करनेवाला, रोगनाशक तथा भोग और मोक्ष प्रदान करनेवाला है ।

****

परिहासोपहास्याद्यैर्विष्णोगृह्णन्ति नाम ये ।
कृतार्थास्तेऽपि मनुजास्तेभ्योऽपीह नमो नमः ॥

अर्थ : जो परिहास और उपहास आदिके द्वारा भगवान विष्णुके नाम लेते हैं, वे मनुष्य भी कृतार्थ हैं ।

धर्मधारा

हम किसी भी मार्गसे साधना करें, होता वह हठयोग ही है !

चाहे हम किसी भी योगमार्गसे साधना करें, वह अन्ततः हठयोग ही होता है । जीवात्माको मायासे खींचकर ब्रह्मतक ले जाना अर्थात इस मायावी सृष्टिके गुरुत्वाकर्षणके विरुद्ध जाते हुए उस पुरुष तत्त्वकी ओर जाना; और प्रकृतिके विरुद्ध जाना हठयोग ही तो है । मात्र जब जीवको उस सत-चित-आनन्दकी प्रतीति होने लग जाती है, तब प्रकृतिका आकर्षण नष्ट होने लगता है और पुरुषकी ओर आकर्षण सहज होने लगता है, इसके पश्चात ही साधना, हठयोगसे सहजयोग हो जाती है ।

****

नामजपकी परिणामकारकताको कैसे बढाएं ? (भाग-७)

आरम्भिक अवस्थाके साधक, नामजप करनेसे पूर्व आर्ततासे प्रार्थना करनेके संस्कार डालनेका प्रयास करें ! एक प्रार्थना जो आप नित्य कर सकते हैं वह अग्रलिखित है : हे प्रभु (अपने आराध्यका नाम भी ले सकते हैं), आप ही हमसे आपका एक घण्टेका (आप जितनी देर बैठकर करना चाहते हैं, उतने ही समयका उल्लेख करें) नामजप करवा कर ले लें ! आपके श्रीचरणोंमें प्रार्थना है कि आप अपने शस्त्रोंसे हमारे वास्तुके चारों ओर एवं हमारे चारों ओर अभेद्य सुरक्षा कवच निर्माण होने दें, जिससे अनिष्ट शक्तियां मेरे नामजपमें विघ्न न डाल सकें। हमारा नामजप भावपूर्ण एवं अखण्ड हो, इस हेतु हमें योग्य प्रयत्न करना सिखाएं ! आरम्भिक अवस्थामें प्रार्थनाका जोड नामजपको देनेसे नामजपकी गुणवत्तामें शीघ्र वृद्धि होती है।

****

सूक्ष्मके ज्ञान हेतु मनोलय एवं बुद्धिलय होना है अति आवश्यक

कुछ दिवस पूर्व मैं आश्रमके निर्माण कार्यसे सम्बन्धित कुछ वस्तु क्रय करने इंदौर गई थी। हमें एक ऐसे स्थानपर जाना था जहां मैं चार-पांच बार पहले भी जा चुकी थी। हमने एक कार्यकर्तासे पूछा कि हम अमुक-अमुक स्थानपर इंदौरमें हैं तो क्या बताएंगे कि हम वहां किस मार्गसे जाएं ?

तो वे प्रतिक्रिया देते हुए बोले, "आप इतनी बार तो वहां जा चुकी हैं तो आप पुनः क्यों पूछ रही हैं ?"

मुझे इस प्रसंगसे भान हुआ कि मेरी स्मरण शक्ति, जिसपर मुझे बहुत गर्व था, अब वह ईश्वरीय कृपासे मायाकी बातें ग्रहण नहीं करती हैं। मैंने इसके लिए ईश्वरको कृतज्ञता व्यक्त की।

आपको यह पढकर थोडा अटपटा लग रहा होगा; इसलिए इस प्रसंगके पीछेका अध्यात्मशास्त्रीय दृष्टिकोण बताती हूं।

मैंने जब प्रथम बार अपने श्रीगुरुद्वारा संकलित ग्रन्थका अध्ययन किया तो उनके सूक्ष्म ज्ञानसे अभिभूत हो गई। मुझे भी वह ज्ञान चाहिए था। मैंने उनके ग्रन्थों, प्रवचन व सत्संगके ध्वनिमुद्रित विषयोंका अभ्यास आरम्भ कर दिया।

उन सत्संगोंसे मुझे समझमें आया कि हम जितना अधिक विश्वमन व विश्वबुद्धिसे एकरूप होंगे, हमारा सूक्ष्मका ज्ञान उतना ही समृद्ध होता जाएगा। इस हेतु मुझे जो करना चाहिए, इसकी मैंने उनकेद्वारा प्रदत्त ज्ञानसे एक सूची बनाई, वह यहां आपसे इतने वर्षोंके पश्चात आज ईश्वर आज्ञा अनुरूप साझा कर रही हूं; क्योंकि हो सकता है आपमेंसे भी कुछ लोगोंको सूक्ष्म ज्ञान पानेकी रुचि हो और इनका अभ्यास करनेसे आपको भी लाभ मिले।

१. सूक्ष्मका पूर्ण, विशुद्ध एवं वैदिक ज्ञान मात्र और मात्र परात्पर पदके सन्त दे सकते हैं; अतः ऐसे सन्तोंकी कृपा पानेका प्रयास करने हेतु उनका मन जीतना चाहिए। मैं उसी दिनसे आजतक मेरे श्रीगुरुको साक्षी मानकर उन्हें जो प्रिय लगेगा, वही सदैव करनेका प्रयास करती हूं।

२. जबतक हम ईश्वर या गुरुको अपना सर्वस्व अर्पण नहीं करते हैं, ईश्वर हमें अपना सम्पूर्ण ज्ञान नहीं देते हैं; इसलिए तबसे मैं सर्वप्रथम अपना सांसारिक जीवन त्यागकर मात्र गुरुके आदेश अनुसार साधना करने लगी एवं मई २००८ से ईश्वरके आदेश अनुसार साधना करने लगी। मेरे जीवनमें अनेक बार ऐसी परिस्थितियां निर्मित हुईं, जब गुरु या ईश्वरकी आज्ञा पालन करना मेरे लिए यदि असम्भव नहीं तो अत्यधिक

चुनौतीपूर्ण था; किन्तु अपने लक्ष्यका ध्यानकर मैंने गुरुकी आज्ञा या ईश्वरेच्छाको ही प्राथमिकता दी।

३. सूक्ष्मके ज्ञान हेतु हमारा सात्त्विक रहना आवश्यक होता है; क्योंकि शास्त्र है कि हम जितना सात्त्विक रहेंगे, मन एवं बुद्धि पर उतना ही तमोगुण का आवरण न्यून होगा और विश्वमन एवं विश्वबुद्धिसे सूक्ष्मका ज्ञान उतनी ही सरलतासे प्राप्त होगा। इसलिए यथाशक्ति सात्त्विक रहनेका प्रयास आरम्भ कर दिया, जो आजके कालमें, वह भी एक समष्टि साधना करनेवालेके लिए, जिसे अनेक बार सामान्य व्यक्तिके घर रहना पडता हो, उसके लिए बहुत ही कठिन है; क्योंकि आज सामान्य व्यक्तिका जीवन धर्म शिक्षणके अभावके कारण तमोगुणी हो गया है।

४. सबसे महत्त्वपूर्ण तथ्य जो मुझे ज्ञात हुआ वह यह था कि हम अपने बुद्धि और मनका जितना अल्प उपयोग करेंगे, हमारा मनोलय उतना ही शीघ्र होगा; इसलिए गुरुकी आज्ञाका भावपूर्ण व कृतज्ञताके भावसे पालन करना एवं अनावश्यक विषयोंको स्मरण न रखना, विषयोंकी लिखकर रखना, दोष व अहं निर्मूलन करना, गुरुगृहमें रहकर सेवा करना, इनका अनुसरण करना आरम्भ किया।

इसीके अन्तर्गत मार्गको स्मरण रखना इत्यादि भी मेरी ओरसे हटता गया। इसलिए उस दिवस उस कार्यकर्ताकी प्रतिक्रियाको सुनकर मैंने ईश्वरको अपनी कृतज्ञता व्यक्त की।

मां सरस्वतीकी कृपासे मेरी स्मरणशक्ति इतनी अच्छी थी कि मुझे विद्यालय या महाविद्यालयमें अपने पाठ्यक्रमकी पुस्तकोंको स्मरण करने हेतु अधिक समय नहीं देना पडता था। मेरी स्मरणशक्ति सूक्ष्म ज्ञान पानेकी प्रक्रियामें एक अवरोध बनेगी, यह जानकर मैंने इस दिशामें शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्तरपर बहुत प्रयास किए और

आज गुरुकृपासे मुझे जो अत्यधिक आवश्यक होता है वही मेरी स्मृतिमें रहता है अर्थात अब बुद्धि इस प्रकार अभ्यस्त हो गई है कि उसे ज्ञात होने लगा है कि क्या स्मरण रखना चाहिए और क्या नहीं ? इससे मन अधिकसे अधिक समय निर्विचार अवस्थामें रहता है या उपासनाके कार्य निमित्त जो आवश्यक है, उतने ही विचार स्मृतिमें रहते हैं, इससे मन अधिक समय आनन्दी भी रहता है।

– (पू.) तनुजा ठाकुर, सम्पादक

प्रेरक प्रसंग

दुर्गुणोंकी दुर्गन्ध

एक बार एक गांवमें पंचायत लगी थी। वहीं थोडी दूरीपर एक सन्तने अपना बसेरा किया हुआ था। जब पंचायत किसी निर्णयपर नहीं पहुंच सकी तो किसीने कहा कि क्यों न हम महात्माजीके पास अपनी समस्याको लेकर चलें ? अतः सभी सन्तके पास पहुंचे।

जब सन्तने गांवके लोगोंको देखा तो पूछा कि कैसे आना हुआ ? तो लोगोंने कहा, “महात्माजी गांव भरमें एक ही कुआं हैं और कुंएका जल हम नहीं पी सकते, दुर्गन्ध आ रही है।”

सन्त ने पुछा, “हुआ क्या ? जल क्यों नहीं पी सकते हो ?”

लोग बोले, “तीन कुत्ते लडते-लडते उसमें गिर गए थे। वे नहीं निकले, मर गए उसीमें। अब जिसमें कुत्ते मर गए हों, उसका जल कैसे पिएं ?”

सन्तने कहा, "एक उपाय करो, उसमें गंगाजल डलवाओ। "कुएंमें गंगाजल भी आठ दस द्रोणी (बाल्टी) डाल दिया गया।

तब भी समस्या जसकी तस रही । लोग पुनः सन्तके पास पहुंचे । अब सन्तने कहा, "भगवानकी कथा कराओ ।"
लोगोंने कहा, "ठीक है ।"
कथा हुई, तो भी समस्या जसकी तस । लोग पुनः सन्तके पास पहुंचे । अब सन्तने कहा, "उसमें सुगन्धित द्रव्य डलवाओ ।"
सुगन्धित द्रव्य डाला गया, परिणाम वही ढाकके तीन पात । लोग पुनः सन्तके पास गए, अब सन्त स्वयं चलकर कुएंपर आए ।
लोगोंने कहा, "महाराज ! वही स्थिति है, हमने सब करके देख लिया । गंगाजल भी डलवाया, कथा भी करवाई, प्रसाद भी बांटा और उसमें सुगन्धित पुष्प और बहुत वस्तुएं डालीं ।"
अब सन्त आश्चर्यचकित हुए और पूछा, "तुमने और सब तो किया, वे तीन कुत्ते जो मरे पडे थे, उन्हें निकाला कि नहीं ?"
लोग बोले, "उसके लिए न तो आपने कहा था और न ही हमने निकाला, शेष सब किया । वे तो वहींके वहीं पडे हैं ।"
सन्त बोले, "जबतक उन्हें नहीं निकालोगे, इन उपायोंका कोई प्रभाव नहीं होगा ।"
ऐसी ही कथा हमारे जीवनकी भी है । इस शरीर नामक गांवके अन्तःकरणके कुएंमें ये काम, क्रोध और लोभके तीन कुत्ते लडते-झगडते गिर गए हैं ।
हम उपाय पूछते हैं तो लोग बताते हैं कि तीर्थयात्रा कर लो, गंगा स्नान कर लो, थोडी पूजा करो, थोडा पाठ कर लो ।
सब करते हैं; परन्तु दुर्गन्ध उन्हीं दुर्गुणोंकी आती रहती है । तो पहले इन्हें निकालकर बाहर करें, तभी जीवन उपयोगी होगा ।

मूंगफली (भाग-२)

२. **मूंगफलीके कुछ विभिन्न नाम** : मूंगफलीको अंग्रेजीमें 'पीनट' या 'ग्राउण्डनट' (peanut groundnut) कहते हैं । इसका वानस्पतिक नाम : 'Arachis hypogaea' है । इसे तेलगु भाषामें 'पल्लेलु', तमिलमें 'कडलई', गुजरातीमें 'सींगदाना' और मराठीमें 'शेंगदाणे' कहा जाता है।

३. **मूंगफलीका तेल** : मूंगफलीसे तेल निकाला जाता है, जिसे भोजन पकानेके कार्यमें प्रयोग किया जाता है। यह तेल भोजन बनानेके लिए सर्वश्रेष्ठ होता है । मूंगफलीके तेलमें, जैतूनके तेलसे भी अच्छे गुण होते हैं। यह एक फली है; किन्तु इसमें मेवोंके जैसे गुण होनेके कारण यह 'नट' (NUT) कहलाती है।

४. **रक्त-शर्कराके लिए** : मूंगफली रक्त-शर्कराको सन्तुलित रखती है। मूंगफलीमें उपस्थित 'मैंगनीज' रक्तमें 'कैल्शियम'के अवशोषण, वसा (फैट), 'कार्बोहाइड्रेट' और शर्कराके स्तरको सन्तुलित रखनेमें सहायता करती है। प्रतिदिन भोजन करनेके पश्चात ४० से ५० ग्राम मूंगफली खानेसे, आपके शरीरके रक्तका अनुपात बढ सकता है । 'मैंगनीज', वसा (फैट) और 'कार्बोहाइड्रेट'के पाचनको बढाता है, जिसकी सहायतासे यह मांसपेशियों और यकृतकी (लिवरकी) कोशिकाओंमें 'ग्लूकोज' शर्करा प्रवेश करता है और रक्त-शर्कराके स्तरको नियन्त्रित करनेमें सहयोग करता है।

एक अध्ययनके अनुसार, मूंगफलीका सेवन मधुमेहकी तीव्रताको २१% तक न्यून कर सकता है । 'डायबिटीज'वालोंके लिए इसमें 'कार्बोहाइड्रेट'की कम मात्रा

तथा 'प्रोटीन', वसा (फैट) व 'फाइबर'की अधिक मात्रा होनेके कारण इसका 'ग्लाइसेमिक इंडेक्स' बहुत कम होता है। जो यह दर्शाता है कि इसे खानेके पश्चात रक्तमें 'कार्ब्स' शीघ्रतासे प्रवेश नहीं करते । इस कारणसे रक्तमें शक्करकी मात्रा बहुत सरलतासे नहीं बढती । अतः मधुमेहवालोंके लिए इसका उपयोग कदापि हानिकारक नहीं हो सकता।

उत्तिष्ठ कौन्तेय

धर्म परिवर्तितकर विवाह करनेका दबाव बनाने हेतु शस्त्र सहित हिन्दू युवतीके घरमें घुसा अबरार

उत्तर प्रदेशके बरेली जनपदसे लव जिहादका एक प्रकरण उजागर हुआ है। प्रकरणके अनुसार, हिन्दू युवतीपर आरोपी अबरार खान धर्मान्तरण और निकाहका दबाव डाल रहा है। जिहादीने ऐसा न करनेपर युवतीको उसका जीवन समाप्त करनेकी धमकी भी दी है। वहीं पीडिताने कहा कि आरोपीके इन कृत्योंके कारण उसका जीवन नष्ट हो रहा है। अब यदि उस पर शीघ्र कार्यवाही नहीं हुई, तो वह आत्मदाह कर लेगी। पीडिता 'बीएससी नर्सिंग'की पढाई कर रही है। आरोपी अबरार खानने प्रथम बार उसके साथ मार्गके मध्य छेडखानी करनेका प्रयास किया था । तब किसी प्रकार युवती वहांसे भागकर अपने घर पहुंची थी । आरम्भके दिनोंमें युवतीने अपने परिजनको यह बात इसलिए नहीं बताई कि कहीं उसकी पढाई न प्रभावित हो; परन्तु स्थितिको विकट होता देख उसने अपने परिजनको यह सूचित किया, जिसके पश्चात परिजनने आरोपीके घर जाकर उसके परिवारसे बात की । इस बातसे

रुष्ट होकर अबरार खान अपने दो अन्य साथियोंके साथ छात्राके घर पहुंच गया तथा वहां उसने शस्त्रोंको लहराते हुए छात्राको मार देनेकी धमकी भी दी। अब पीडिता इस प्रकरणसे अवसादमें हैं। वहीं उसने थानेमें आक्रोशित होकर कहा कि आरोपीपर कार्यवाही न होनेपर वह अवश्य ही आत्मदाह करेगी। पीडिताने यह भी बताया कि कुछ वर्ष पूर्व ही उसके माता पिताका निधन हो गया था, जिसके पश्चात वह बरेलीके फरीदपुर क्षेत्रमें अपने परिजनके साथ रह रही है। इसी मध्य मठिया नई बस्ती क्षेत्रके निवासी अबरार खानने उसके साथ छेडखानी की और धर्मान्तरणका दबाव बनाने लगा। वह अपने साथी इसरार और मैसूरके साथ उसके घर पहुंच था।

समाचार लव जिहादकी भयावह स्थितिको हम सभीके समक्ष प्रस्तुत करता है। हिन्दुओ, ऐसे प्रकरणोंमें हमें सङ्गठित होकर जिहादीका विरोधकर उनके मनोबलको तोडना चाहिए; क्योंकि न्याय व्यवस्थाके प्रति अब हम पूर्णतः आश्वस्त नहीं रह सकते।

****

'कॉमेडियन' अग्रिमा जोशुआ कौर खानने श्रीनगरके कार्यक्रममें भारतीय सेनाका किया उपहास, स्वयंको बताती है 'आर्मी ब्रैट'

स्वयंको 'आर्मी ब्रैट' (जिसके पिता सेनामें हों) बतानेवाली 'कॉमेडियन' अग्रिमा जोशुआ कौर खानने अब भारतीय सेनाका ही उपहास बनाया है। वर्तमानमें ही उनके एक 'वीडियो'से कश्मीरी पृथकतावादी भी असन्तुष्ट हो गए हैं। यह कार्यक्रम श्रीनगरमें हुआ था। कार्यक्रममें प्रस्तुति देते हुए अग्रिमा जोशुआने कश्मीरियों और उनके 'संघर्ष'को लेकर कुछ बातें

कहीं, जिससे पृथकतावादी क्रोधित हैं । यद्यपि उन्होंने ये 'चुटकुले' भारतीय सेनाके विरुद्ध किए थे, जिससे उन्हें भीडका समर्थन मिल सके।

एक प्रकारसे कश्मीरका पृथकतावादी गुट ही उनका 'टारगेट ऑडियंस' था; परन्तु अब वे ही असन्तुष्ट हो गए हैं । एक कश्मीरी पृथकतावादी जहीरने 'वीडियो'को 'ट्विटर' पर डालते हुए आरोप लगाया कि कश्मीरियोंके 'संघर्षकी कहानी'को चुटकुलोंमें परिवर्तित कर दिया गया है । इससे स्पष्ट है कि भारतीय सेनाके विरुद्ध घृणास्पद और भद्दी टिप्पणियां करके पृथकतावादियोंका हृदय जीतने निकलीं अग्रिमा जोशुआको लेकर अब उन्हींमें आक्रोश है।

जहीरने तो उन्हें 'संवेदनहीन' और 'मूर्ख' तक प्रमाणित किया। कार्यक्रममें अग्रिमा जोशुआने कहा कि कश्मीरी लोगोंमें बहुत धैर्य है और उन्होंने उनके कार्यक्रमके लिए प्रतीक्षा भी की, ठीक वैसे ही जैसे उन्होंने स्वतन्त्रताके लिए ७० वर्षोंतक प्रतीक्षा की। इसके पश्चात अग्रिमाने एक कश्मीरी युवककी बात करते हुए कहा कि उसने उनसे बातचीत समाप्त कर दी है और वो यहां नहीं है, पता नहीं उसका क्या हुआ ?

इससे पहले जुलाई २०२० में अरब सागरमें छत्रपति शिवाजी महाराजके स्मारकका अपमान करनेवाली 'स्टैंडअप 'कॉमेडियन' अग्रिमा जोशुआके 'वीडियो'के एक भागके 'वायरल' होनेके पश्चात 'सोशल मीडिया'पर एक बडा विवाद हो गया था । 'वीडियो'में शिव स्मारक और छत्रपति शिवाजी महाराजके स्मारकको लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की गई थी, जिसकी घोषणा महाराष्ट्रमें देवेन्द्र फडणवीसके नेतृत्ववाली

भाजपा शासनने की थी । आक्रोशके पश्चात 'कॉमेडियन'ने शिवसेनासे क्षमा मांगी थी।

भारतमें रहकर भी ये राष्ट्रके आन्तरिक शत्रु भारतीय सेनाका अपमान करते हैं, क्या यह शोभनीय कृत्य है ? 'स्टैंडअप कॉमेडी'के नामपर हमारे देशके आदर्श पुरुषों, हिन्दू देवी देवताओंका उपहास करना इनके लिए सुगम हो गया है । इसके पूर्व भी इंदौरमें मुनव्वर फारुकीने मां सीताका अपमान किया था । ऐसे नीच भाण्डोंको शासनद्वारा दण्डित और समाजद्वारा बहिष्कृत किया चाहिए।

****

अपहरण, बलात्कार और धर्मान्तरण उपरान्त हिन्दू पीडिताके पितापर ही परिवाद, पाकिस्तानमें अंधेर नगरीका साक्ष्य

पाकिस्तानमें अल्पसङ्ख्यक समुदायपर होते धार्मिक उत्पीडन और अत्याचारके समाचार नित्य आते रहते हैं । पाकिस्तानी मानवाधिकार कार्यकर्ता राहत ऑस्टिनने १ दिसम्बरको ऐसा ही एक समाचार अपने 'ट्विटर'पर लिखा है। उन्होंने बताया है कि पाकिस्तानके पंजाबके बहु भाटी गांवमें एक मुसलमान व्यक्तिने बलपूर्वक एक हिन्दू लडकीका अपहरणकर बलात्कार किया। उससे निकाह (विवाह) किया तथा उसका बलपूर्वक धर्मान्तरण करवाया।

मानवाधिकार कार्यकर्ताने उसके माता-पिताका एक दृश्यपट 'शेयर' किया है, जिसमें वे व्यथित होकर कह रहे हैं कि उन्हें उनकी बेटी पुनः न मिली तो वे दोनों आत्महत्या कर लेंगे। वे

कह रहे हैं कि वे अत्याचारियोंसे लड नहीं सकते । दृश्यपट देखनेवालोंसे वे सहायताका अनुरोध कर रहे हैं ।

मानवाधिकार कार्यकर्ता राहत ऑस्टिन यह भी लिखते हैं कि २७ अगस्त २०२० को उनकी बेटीके अपहरणके पश्चात उनकी सहायता तो पुलिसने नहीं की; इसके विपरीत पिता रतनलालके विरुद्ध कोई असत्य आरोप लगाकर परिवाद प्रविष्ट कर लिया । लडकीका बलपूर्वक धर्मान्तरण २ सितम्बर २०२० को करवाया गया । धर्मान्तरण तथा विवाह प्रमाणपत्रमें दर्शाया गया कि लडकी पहले ईसाई थी । विवाह प्रमाण पत्रके अगले दिन लडकीका धर्मान्तरण किया गया । राहत ऑस्टिन बताते हैं कि दोनों प्रमाणपत्र अमान्य हैं; कारण विवाह प्रमाण पत्र लडकीका पूर्व धर्म ईसाई बताता है तथा उसके दूसरे दिन धर्मान्तरण हुआ है, जबकि एक मुसलमानका किसी अन्य धर्मीयसे विवाह अमान्य है, जबतक उसका धर्मान्तरण न किया जाए ।

यह समाचार पाकिस्तानमें अल्पसङ्ख्यकोंपर होनेवाले अत्याचार दर्शाता है । १९४७ में जब पाकिस्तान भारतसे विभाजित होकर एक नूतन राष्ट्र बना था, तो वहां लगभग २७ प्रतिशत अल्पसङ्ख्यक, अर्थात हिन्दू, ईसाई, सिख आदि थे । अब उनकी सङ्ख्या १.५ प्रतिशतसे भी न्यून हो चुकी है । नित्य ही मुसलमानोंद्वारा अल्पसङ्ख्यकोंपर किए जानेवाले अत्याचारोंके समाचार आते हैं । इमरान शासन इसपर मूक दर्शक बनता है । इसीसे इनका ढोंग उजागर होता है । (०३.०१.२०२)

****

जिहादी 'ASI' गुल मोहम्मदके कक्षमें फन्देसे लटके मिले २ हिन्दू, हत्यासे पहले तडपाया भी गया

विगत दिवसोंमें पाकिस्तानके पख्तूनख्वा क्षेत्रमें 'अल्लाह-हू-अकबर' चिल्लाती जिहादियोंकी भीडने हिन्दू मन्दिरको आग लगाई थी। अब पुनः प्रसारित हुए चित्रोंसे पता चलता है कि पाकिस्तानमें हिन्दुओंको कितने भयावह ढंगसे प्रताडित किया जा रहा है।

पाकिस्तानमें सिंधके थारपारकर स्थित मिठीमें जिहादी 'एएसआई' गुल मोहम्मद नामक पुलिस अधिकारीके कक्षमें २ हिन्दुओं, बबीता मेघवार और उसके सम्बन्धी डोंगार मेघवारके शव फन्देसे लटके मिले। पाकिस्तानी मानवाधिकार कार्यकर्ता और अधिवक्ता राहत ऑस्टिनके अनुसार बबीता, डोंगारकी साली थी और दोनोंको हत्यासे पहले प्रताडित किया गया।

यह घटना ऐसे समयमें सामने आई है, जब 'एसोसिएटेड प्रेस'ने आंकडे देते हुए बताया था कि पाकिस्तानमें इस्लाम पन्थके नामपर प्रत्येक वर्ष (१२ से २५ वर्षकी ईसाई, सिख और हिन्दू) १००० से अधिक लडकियोंका अपहरण व यौन शोषण करके धर्मान्तरण कराया जाता है । इनमेंसे अधिकतर लडकियां हिन्दू होती हैं। ऐसे पीडितोंके परिवारोंके सीमित आर्थिक साधनोंके कारण कई दृश्य तो सामने ही नहीं आ पाते हैं। जिहादियोंद्वारा अपहरण करके बडी आयुके पुरुषोंसे विवाह कराया जाता है । पुलिस भी इन घटनाओंमें प्रताडित हुए अल्पसङ्ख्यक हिन्दुओंकी सहायता नहीं करती है।

ऐसी निकृष्ट मानसिकतावाले देशको तो नष्ट कर देना चाहिए। मानवताका परिचय देते हुए सभी देशोंको मिलकर

ऐसे पाकिस्तानी शासनके विरुद्ध कार्यवाही करते हुए कठोर दण्ड देना चाहिए ।

****

ईसाई युवती और मुसलमान युवकके विवाहको गिरिजाघरने घोषित किया अवैध, ऐसा करवानेवाले पादरियोंको भी दिया दण्ड

केरलके सायरो मालाबार गिरिजाघरकी ३ सदस्योंवाली जांच समितिने कैथोलिक युवती और मुसलमान युवकके मध्य अन्तरधार्मिक विवाहको एक 'गम्भीर त्रुटि'के कारण अवैध बता दिया है । समाचार पत्र 'टाइम्स ऑफ इंडिया'के अनुसार, यह घटना केरलकी है ।

समितिने अपने आदेशमें कहा कि विवाहके मध्य कई नियमोंका उल्लङ्घन हुआ है और इस विवाहके समय 'कैनन कानून'का पालन नहीं किया गया; इसलिए विवाह अवैध है । दो पादरियोंने कई नियमोंका ध्यान नहीं रखा, अभी उन्हें भी प्रतिबन्धित किया जा चुका है । त्रिशूर जनपदके इरिनजलक्कुडाकी रहनेवाली कैथोलिक युवती और कोच्चिके रहनेवाले मुसलमान युवकका ९ नवंबरको विवाह हुआ । थीइसके पहले भी सायरो मालाबार गिरिजाघर विवादोंमें रह चुका है । गिरिजाघरने कहा था कि वह स्वयं सुनिश्चित करेगा कि ईसाई समुदायमें होनेवाले विवाह 'कैनन लॉ'के आधारपर ही होंगे । विवाद तब आरम्भ हुआ, जब कोच्चि स्थित कादवंथरा सेंट जोसेफ गिरिजाघरमें बिशपकी उपस्थितिमें एक मुसलमान व्यक्तिसे विवाह कर लिया । अगले दिन दम्पत्तिके चित्र समाचार पत्रोंमें प्रकाशित हुए, जिसके पश्चात केरलमें कैथोलिक समुदायके बडे भागने विरोध करना आरम्भ किया ।

केरलमें पादरियोंने सबसे पहले लव जिहादका प्रकरण उठाया था, जिसके अन्तर्गत मुसलमान समुदायके युवक अन्य समुदायकी 'गैर'मुसलमान महिलाओंको झूठे प्रेमजालमें फंसाते हैं और उनपर धर्म परिवर्तनका दबाव बनाते हैं।

केरलमें सर्वप्रथम हिन्दुओंका धर्मान्तरण ईसाई मिशनरियोंने किया, उस समय किसी भी सङ्गठनने विरोध नहीं किया था। परन्तु आज जब जिहादी अपने उद्देश्य 'गजवा ए हिन्द' को लागू करनेके लिए ईसाई युवतियोंको लवजिहादमे फंसाकर उनका धर्म परिवर्तन कर रहे हैं, तो अब ईसाई मिशनरियोंको लगा कि यह धर्मान्तरणकी अग्नि उनके ही घरोंको जला रही है; इसलिए वे इसके विरुद्ध स्वर उठा रहे हैं।

हिन्दुओ, आप अपनी भावी पीढीको धर्मशिक्षण देना आरम्भ करें, जिससे वे इनके चंगुलमें न आ सकें ! (०३.०१.२०२१)

****

महाराष्ट्रमें 'दरगाह'के डॉ. मुदस्सिर निसारने मूर्छितकर किया बलात्कार, मुम्बई पुलिसने २५ दिन पश्चात की प्राथमिकी प्रविष्ट

मुम्बईकी माहिम 'दरगाह'के 'ट्रस्टी' डाॅ. मुदस्सिर निसारके विरुद्ध एक महिलाने यौन शोषणकी प्राथमिकी प्रविष्ट करवाई है । पीडित महिलाके अनुसार, डाॅ. निसारने मूर्च्छाका टीका लगाकर उसके साथ बलात्कार किया । पुलिसने धारा ३७६, ३२८ और ५०६ के अन्तर्गत इसके विरुद्ध प्रकरण प्रविष्ट किया है । प्राथमिकी प्रविष्टके पश्चात अभीतक आरोपीको पकडा नहीं गया है।

डॉ. मुदस्सिर निसार महाराष्ट्र वक्फ बोर्डका एक सक्रिय सदस्य है और माहिम 'दरगाह ट्रस्ट'के विश्वस्तोंमेंसे एक है। ब्यौरेके अनुसार, नवी मुम्बई स्थित एक सामाजिक कार्यकर्ताने ७ दिसम्बरको माहिम पुलिस थानेमें इसका लिखित परिवाद कराया था, जिसके आधारपर मुम्बई पुलिसने २५ दिन पश्चात आरोपीके विरुद्ध प्राथमिकी प्रविष्ट की।

महिलाने आरोप लगाया है कि उसके साथ बलात्कार किया और आरोपी अपने वचनसे पीछे हट गया। जिहादियोंके लिए यह करना बडी बात नहीं है; परन्तु जब पुलिस और शासकगण मौन हों तो न्याय हेतु किसके पास जाया जाए ? ऐसा न हो कि जिहादियोंका तुष्टीकरण करते-करते एक दिवस हम स्वयंको ही न मिटा बैठें !

****

नेपालके काठमाण्डूके मार्गोंपर हिन्दूराष्ट्रके लिए प्राण न्योछावर करनेवालोंने किया प्रदर्शन

नेपालमें हिन्दूराष्ट्रकी पुनर्स्थापनाके लिए मार्गोंपर प्रदर्शन किया गया। पूर्व उप प्रधानमन्त्री कमल थापाने नेपालमें राजतन्त्र और हिन्दूराष्ट्र लाने हेतू सर्वदलीय बैठकके आयोजनकी मांग की है और मांग पूर्ण नहीं होनेपर भारी विरोध प्रदर्शनकी चेतावनी भी दी है।

कमल थापाने एक जनसभाको सम्बोधित करते हुए कहा कि आरम्भमें यह केवल हमारा विचार था; किन्तु नेपालका जनमानस अब इसी विषयपर आ गया है। कुछ अन्य लोग पुनः ऐसा चाहते हैं या नहीं; किन्तु वे सभी इसीके बारेमें ही वार्तालाप करते रहते हैं। इसी कारण सभी दलोंको एक-साथ बैठक करनी चाहिए। कमल थापाने चेतावनी दी कि नेपालको

हिन्दू राष्ट्रकी श्रेणीमें लानेके लिए वे मर-मिटनेको भी उद्यत हैं।

कमल थापाने बताया कि कुछ दल संसद भंग होनेकी गम्भीरताको नहीं समझ पा रहे हैं और वे देशको अन्धकारकी ओर धकेल रहे हैं। यद्यपि चीन और भारतके उच्चस्तरीय अधिकारियोंने इस समस्यार्थ नेपाल आकर प्रयास किया; तथापि हमें क्या करना है ? इसका अवसर हमें दूसरोंको नहीं देना चाहिए।

'देशको बचानेके लिए राजतन्त्रको लौटाकर लाना होगा', 'दलोंसे ऊपर देश', 'राजाको लाओ, देशको बचाओ'के उद्घोषोंके साथ नेपालमें राजतन्त्रके लिए प्रदर्शन किए जा रहे हैं। इन प्रदर्शनोंको राष्ट्रीय प्रजातन्त्र दल, राजतन्त्र समूहों और राजतन्त्र समर्थक नागरिकोंका समर्थन प्राप्त है।

नेपालके गृहमन्त्रालयने देशके ७७ जनपदोंको बलपूर्वक इन प्रदर्शनोंको समाप्त करनेके लिए कहा है।

एक छोटेसे देशकी जनता जागरूक हो गई है और पुनः हिन्दूराष्ट्र लानेके लिए देशभरके हिन्दू उत्साहित होकर बलिदान देनेके लिए उद्यत हैं। क्या भारतवासी भी उनसे ऐसी सीख ले सकेंगे ? क्या भारतके लोग भी इसी प्रकार अपने देशको हिन्दूराष्ट्र बनानेके लिए जाग्रत होकर प्रयास करेंगे ? नहीं करेंगे तो स्मरण रखें कि परिस्थितियां और समय अपने आप करवाएंगे। (०३.०१.२०२०)

****

मध्य प्रदेश पुलिसने जिहादी मुनव्वर फारूकी सहित ५ लोगोंको बनाया बन्दी, देवी-देवताओंपर की थी आपत्तिजनक टिप्पणी

एक समारोहके समय तथाकथित 'स्टैंडअप कॉमेडियन' मुनव्वर फारूकीने केन्द्रीय गृह मन्त्री अमित शाह और हिन्दू देवी-देवताओंपर अभद्र टिप्पणी की थी । इस बातकी जानकारी मिलते हिन्द रक्षक सङ्गठनके कई कार्यकर्ता वहां पहुंचे और मुनव्वर फारूकीकी पिटाई कर दी।

हिन्दू देवी-देवताओं और केन्द्रीय गृह मन्त्री अमित शाहपर अभद्र टिप्पणी करनेके आरोपमें कथित 'कॉमेडियन' मुनव्वर फारूकीको बन्दी बना लिया गया । मध्य प्रदेश पुलिसद्वारा बन्दी बनाए गए गए अन्य लोगोंमें एड्विन एंथनी, प्रखर व्यास, प्रियम व्यास और नलिन यादव सम्मिलित हैं। सभी नववर्षके अवसरपर इन्दौर स्थित एक 'कैफे'में समारोहमें सम्मिलित हुए थे।

'स्टैंडअप कामेडी' हिन्दू संस्कृति, देवी-देवता, भारतीय महापुरुषों, राजनीतिक नेताओं एवं वैधानिक संस्थाओंका उपहास करनेका नूतन माध्यम बनता जा रहा है । अभी कुछ दिन पहले ही कुनाल कामराने भी एक 'टीवी' पत्रकारके साथ-साथ देशके उच्चतम न्यायलयपर भी ऐसी ही टिप्पणी की थी और क्षमा मांगनेसे भी मना कर दिया था। आजकल अभिव्यक्तिकी स्वतन्त्रताके नामपर यह एक बहुसङ्ख्यक हिन्दुओं और हमारी सर्वोच्च संस्थाओंको नीचा दिखानेका बहुत बडा षडयन्त्र चल रहा है, जिसपर समय रहते रोक लगना आवश्यक है । आज तथाकथित 'कॉमेडियन' मुनव्वर फारूकी हों या कुनाल कामरा या ऐसे और कोई व्यक्ति, इन सबपर ऐसी कार्यवाही हो कि कोई और भी ऐसा करनेका साहस न करे ! (०३.०१.२०२१)

****

वैदिक उपासना पीठद्वारा कुछ आवश्यक सूचनाएं

१. वैदिक उपासना पीठद्वारा विजयादशमीसे अर्थात दि. २५/१०/२०२० से ऑनलाइन बालसंस्कारवर्गका शुभारंभ हो चुका है। यह वर्ग प्रत्येक रविवार, त्योहारोंको एवं पाठशालाके अवकाशके दिन प्रातः १० से १०:४५ तक होगा। इस वर्गमें ७ वर्षसे १५ वर्षकी आयुतकके बच्चे सहभागी हो सकते हैं। यदि आप अपने बच्चोंको इसमें सम्मिलित करने हेतु इच्छुक हैं तो पञ्जीकरण हेतु कृपया 9717492523, 9999670915 के व्हाट्सऐप्पपर सन्देशद्वारा सम्पर्क करें।

२. वैदिक उपासना पीठके लेखनको नियमित पढनेवाले पाठकोंके लिए निःशुल्क ऑनलाइन सत्सङ्ग आरम्भ किया जा चुका है।

आनेवाले सत्संगका विषय व समय निम्नलिखित है :

सङ्ख्या सीमित होनेके कारणकृपया अपना पञ्जीकरण यथाशीघ्र कराएं । इस हेतु ९९९९६७०९१५ (9999670915) या ९७१७४९२५२३ (9717492523) के व्हाट्सएप्पपर अपना सन्देश भेजें । कृपया पञ्जीकरण हेतु फोन न करें।

अगले कुछ सत्सङ्गोंकी पूर्व सूचना :

अ. जपमालासे सम्बन्धित तथ्य २ जनवरी, रात्रि ९.३० बजे

आ. शिष्यके गुण, ४ जनवरी, रात्रि ९.३० बजे

इ. नमस्कारसे सम्बन्धित शास्त्र, ६ जनवरी, रात्रि ९.३० बजे

ई. नामजप कब, कहां और कितना करें ? ८ जनवरी, रात्रि ९.३० बजे

३. वैदिक उपासना पीठद्वारा प्रत्येक दिवस भारतीय समय अनुसार रात्रि नौसे साढे नौ बजे 'ऑनलाइन सामूहिक

नामजप'का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें साधना हेतु मार्गदर्शन भी दिया जाएगा, साथ ही आपको प्रत्येक सप्ताह 'ऑनलाइन सत्सङ्ग'के माध्यमसे वैयक्तिक स्तरपर भी साधनाके उत्तरोतर चरणमें जाने हेतु मार्गदर्शन दिया जाएगा, यदि आप इसका लाभ उठाना चाहते हैं तो आप हमें ९९९९६७०९१५ (9999670915) या ९७१७४९२५२३ (9717492523) पर "मुझे सामूहिक नामजप गुटमें जोडें", यह व्हाट्सऐप्प सन्देश भेजें !

४. जो भी व्यक्ति वैदिक उपासना पीठके तत्त्वावधानमें अग्निहोत्र सीखना चाहते हैं वे ९९९९६७०९१५ के व्हाट्सऐप्पपर अपना सन्देश इसप्रकार भेजें ,'हमें कृपया अग्निहोत्र गुटमें सम्मिलित करें।'

५. कोरोना जैसे संक्रामक रोग एवं भविष्यकी आपातकालकी तीव्रताको ध्यानमें रखते हुए वैदिक उपासना पीठद्वारा संक्षिप्त दैनिक हवन कैसे कर सकते हैं ?, इस विषयमें १५ अगस्तसे एक नूतन उपक्रम आरम्भ किया जा रहा है। इसमें अग्निहोत्र समान इसे सूर्योदय या सूर्यास्तके समय ही करनेकी मर्यादा नहीं होगी, इसे आप एक समय या सप्ताहमें जितनी बार चाहे, कर सकते हैं । यदि आप सीखना चाहते हैं तो ९९९९६७०९१५ पर हमें इस प्रकार सन्देश भेजें, “हम दैनिक हवनकी सरल विधि सीखना चाहते हैं, कृपया हमें यथोचित गुटमें जोडें।”

प्रकाशक : Vedic Upasana Peeth
जालस्थल : www.vedicupasanapeeth.org
ईमेल : upasanawsp@gmail.com
सम्पर्क : + 91 9717492523 / 9999670915